



DELHI POLICE 2025

CONSTABLE

HCM

AWO/TPO

DRIVER



यकीन बैच

HISTORY

सिंधु सभ्यता



LIVE
STREAMING

16-04-2025 12:05 PM

➤ 1924 में सिंधु घाटी सभ्यता के विधिवत पाये जाने की घोषणा की।

In 1924, the Indus Valley Civilization was formally announced as discovered by

➤ जॉन मार्शल ने (ASI के महानिदेशक)

John Marshall (Director General of ASI).



→ 1925 में जॉन मॉर्शल ने सिंधु घाटी सभ्यता के पाये जाने को विधिवत घोषणा की।

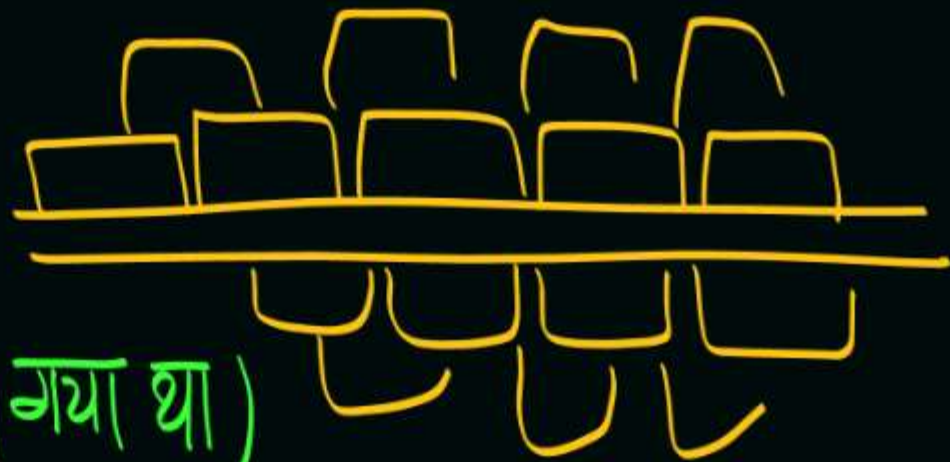
→ जॉन मॉर्शल → ASI के महानिदेशक थे।

सिंधु घाटी सभ्यता / हड़प्पा सभ्यता

→ नगरीय सभ्यता

→ मकान ग्रीड पद्धति से बने हुए थे।

→ पक्के मकान (जिनमें ईंटों का प्रयोग किया गया था)



→ ईंटों का अनुपात $\frac{4:2:1}{3:2:1}$ था।

→ लिपि (Script) = प्राचीनलिपि (Indus script) → दाएं से बाएं (Right to Left) लिखी जाती थी।
जबकि यह लिपि बाएं से दाएं (Left to Right) लिखी जाती थी। → बोरुद्रोफेडन जैसी ✓

→ સુભથ્થે પ્રાચીન નગર ⇒ ઘિરડાળા (દરિયાળા)

↪ खोज ⇒ 2014

गणितने वर्ष पुराना है? $\Rightarrow 1500 BC - 6500 BC$

\Rightarrow समाज \Rightarrow मानुसतामल

\Rightarrow ଆଜ୍ଞା \Rightarrow ଗିଣ୍ଟାଜ୍ଞା

⇒ સિંધુ ઘાટી સમૃદ્ધતા યા સર્વે વડા સ્થળ ⇒ મોહનજોદો → ખેર નદી → સિંધુ નદી

\Rightarrow जिसे भारत में सबसे बड़ा स्थल \rightarrow जहाँ पर स्थित \rightarrow पाक

५ बाखीगढ़ा (हरियाणा)

➡ सिंधु घाटी सभ्यता - एक नगरीय सभ्यता थी।

Indus Valley Civilization - was an urban civilization.

➤ लिपि - भावचित्रात्मक थी जो दाएं से बाएं लिखी जाती थी।

The script was ideographic and was written from right to left.



➤ कभी-कभी बाएं से दाएं बौस्ट्रोफेडॉन शैली में लिखी जाती थी।

Sometimes it was written from left to right in the

boustrophedon style.

Oldest city - **Bhirdana (Haryana)** Discovered in 2014

सबसे प्राचीन नगर - भिरडाणा (हरियाणा) खोज-2014 में

↓ 7500 BC-6500 BC (लगभग) पुराना है

7500 BC-6500 BC (approximately) old

➤ Carbon-14 (C-14) was used for date determination.

तिथि निर्धारण के लिए कार्बन-14 (C-14) का प्रयोग किया गया।

समाज - मातृसत्तामय था। Society - It was matriarchal.

आकार - त्रिभुजाकार था। Shape - It was triangular.

➤ भारत में सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) में है।

The largest site of Indus Valley Civilization in India is at Rakhigarhi (Haryana).

➤ सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल - मोहनजोदड़ो जो वर्तमान में
पाक में सिंधु नदी के किनारे है।

The largest site of the Indus Valley Civilization -
Mohenjodaro which is currently on the banks of the Indus
River in **Pakistan.**



➤ इस सभ्यता में सर्वप्रथम खोजा गया स्थल हड़प्पा है जिसकी खोज -
1921 में दयाराम साहनी ने की, इसलिए इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहते
हैं। हड़प्पा वर्तमान में पाक में रावी नदी के किनारे है।

The first site discovered in this civilization is Harappa which was discovered by Dayaram Sahni in 1921, hence it is also called Harappa civilization. Harappa is currently located on the banks of the Ravi River in Pakistan.



➤ हड़प्पा सभ्यता के निर्माता संभवतः द्रविड़ थे।

The creators of the Harappan civilization were probably

Druids. Dravidas.



➤ हड़प्पा में ईंटों का अनुपात 4:2:1 था।

The ratio of bricks in Harappa was 4 : 2 : 1.

द्रविड़ (जाति)

॥ भारतीय (Indians)

➤ पूजा के साक्ष्य मिले हैं। यहां के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा करते थे इसके अलावा मातृदेवी, पेड़, सांप, पशु, जल, स्वास्तिक etc. की।

Evidence of worship has been found. People here worshiped the earth as the goddess of fertility and apart from this they also worshiped the mother goddess, trees, snakes, animals, water, Swastika etc.



➤ हड़प्पा सभ्यता से मंदिर के साक्ष्य नहीं मिले।

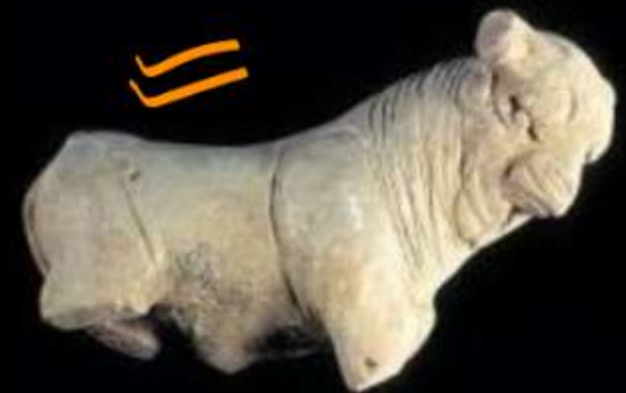
No evidence of temples was found from the Harappan civilization.

➤ हड़प्पा सभ्यता के लोग लोहे का प्रयोग नहीं करते थे।

The people of the Harappan civilization did not use iron.

➤ पवित्र पशु - कूबड़ वाला बैल Sacred animal - humped bull

मोती "Bronze"



➤ मीठे में शहद का प्रयोग करते थे। Honey was used in the ~~motha~~. ^{Sweet}.

➤ यहां के लोग व्यापार करते थे, आयात एवं निर्यात।

The people here used to do trade, import and export.

➤ लोथल सिंधु घाटी / हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा बंदरगाह था। ^{गुजरात} सुरकोटदा भी
बंदरगाह था।

Lothal was the largest port of the Indus Valley/Harappan Civilization. Surkotada was also a port.

➤ यह सभ्यता 2 टीलों में विभाजित थी।

This civilization was divided into 2 mounds.

➤ पूर्व - सामान्य लोग East - Common people

➤ पश्चिम - राजा/सरदार West - King/Sardar

➤ धौलावीरा सिंधु घाटी सभ्यता का एकमात्र नगर था जो 3 टीलों में विभाजित था।

➤ Dholavira was the only city of the Indus Valley Civilization which
गुजरात was divided into 3 mounds. → पूर्व, पश्चिम, मध्य

➤ इसे 2021 में UNESCO की विश्व विरासत सूची में 40वें स्थल के रूप में शामिल

किया गया है। (वेगसा यह सिंधु घाटी सभ्यता का एकमात्र स्थल है।)

It has been included in UNESCO World Heritage List in 2021 as

the 40th site. (Note: → स्वतंत्रता के पश्चात् (After independent) सिंधु घाटी सभ्यता
के सर्वाधिक स्थल (Maximum site) गुजरात में खोजे (Discovered) गये।)

→ सबसे पहले खोजा गया स्थल → हड़प्पा

↳ जिसने → दयाराम साहनी

↳ जन्म → 1921

↳ नदी → रावी नदी

↳ स्थित → पाक

→ पूजा → के साक्ष्य? ✓

→ मंदिर " " ? ✗

→ लोहे का प्रयोग? ✗

→ जिसकी पूजा की जाती थी? → मातृदेवी, धरती, पेड़, जल, स्वारितेजस

→ सिंधु घाटी सभ्यता के बंदरगाह → लोथल, सुरजोटा

→ सिंधु घाटी सभ्यता कितने टीलों में विभाजित → 2 < पूर्व

लिपि? → ग्रावचिह्नम

मकान? → पेड़

↳ पद्धति → ग्रीड ✓

मुख्य फसल - गेहूं और जौ Main Crop - Wheat and Jowar



वस्त्र - सूती, ऊनी Clothes - Cotton, Wool



यहां के लोग तलवार से परिचित नहीं थे।

The people here were not familiar with the sword.



सिंधु घाटी सभ्यता का भौगोलिक विस्तार

Geographical Expanse of Indus Valley Civilization

सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल Sites of the Indus Valley Civilization

मुख्य स्थल				
स्थल	उत्खनन वर्ष	उत्खनन कर्ता	स्थल की स्थिति	नदी
हड़प्पा	1921	दया राम साहनी	शाहीवाल (पंजाब, पाकिस्तान)	रावी
मोहनजोदड़ो	1922	राखल दास बनर्जी	लरकाना (सिन्ध, पाकिस्तान)	सिन्धु
सुत्कागेंडोर	1927	आर.एल. स्टाइन	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	दाश्क
चन्हूदड़ो	1931	एन.जी. मजूमदार	सिन्ध (पाकिस्तान)	सिन्धु

डाबर कोट	1935	अर्नेस्ट मैके	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	झोबघाटी
कोटदीजी	1935	घुर्ये	सिन्ध (पाकिस्तान)	सिन्धु
रोपड़	1953	यज्ञदत्त शर्मा	पंजाब (भारत)	सतलज
राखीगढ़ी	1969	सूरजभान, रफीक मुगल	हिसार (हरियाणा)	घग्घर
बनावली	1973	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	फतेहाबाद (हरियाणा)	घग्घर
धौलावीरा	1990-91	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	कच्छ (गुजरात)	मानसर, मानहर

देसलपुर	-1963-64	पी.पी. पांड्या, एम.ए. धाके	कच्छ (गुजरात)	
लोथल	1957	एस.आर. राव	अहमदाबाद (गुजरात)	भोगवा
सुरकोटड़ा	1964	जगपति जोशी	कच्छ (गुजरात)	
रंगपुर	1931	माधोस्वरूप वत्स	अहमदाबाद (गुजरात)	मादर
आलमगीरपुर	1958	यज्ञदत्त शर्मा	मेरठ (उत्तरप्रदेश)	हिण्डन
कालीबंगा	1953	अमलानन्द घोष	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	घग्घर

टैमावाद	1974-79	एस.ए. सली	अहमदनगर (महाराष्ट्र).	प्रवरा
सोत्का कोह	1962	डेल्स	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	शादीकौर
मांडा	1976-77	मधु बाला एवं जे.पी. जोशी	जम्मू (भारत)	चिनाब

➤ मोहरों पर सबसे अधिक एक श्रृंगी पशु का अंकन मिलता है।

The most common imprint on seals is that of a one-horned animal.



➤ मुहरें बनाने के लिए सेलखड़ा का उपयोग किया जाता था। मुहरें कई प्रकार की होती थी, जैसे आयताकार, वर्गाकार और गोलाकार।

Steatite was used to make seals. There were many types of seals, such as rectangular, square and circular.

➤ मुहरों का उपयोग व्यापारिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था, जैसे जार को सील करना और बोरियों पर टैग लगाना।

The seals were used for trading purposes, such as sealing jars and putting tags on sacks.

➤ यहां के लाल मिट्टी से बने बर्तनों का प्रयोग करते थे जिन पर काले रंग को चित्रकारी होती थी।

The utensils made here were made of red clay which had black colour painting on it.



➤ आग में पकी हुई मिट्टी को 'टेराकोटा' कहा जाता था।

The clay baked in fire was called 'terracotta'.



➤ यातायात के लिए दो पहियों और 4 पहियों वाले। बैल-गाड़ी का प्रयोग करते थे।

Two wheeled and four wheeled bullock carts were used for transportation.



➤ शासन/प्रशासन वाणक वर्ग के हाथों में था।

The governance/administration was in the hands of the merchant class.

विदेशी व्यापार foreign trade

तांबा - खेतड़ा, बलूचिस्तान, ईरान Copper - Khetra, Baluchistan, Iran

चांदी - अफगां०, ईरान Silver - Afghanistan, Iran

सोना - कर्नाटक, अफगां०, ईरान Gold - Karnataka, Afghanistan, Iran

टिन - अकगा, ईरान Tin - Akga, Iran

सीसा – ईरान Lead - Iran

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन का कारण बाढ़ को माना जाता है।

Floods are considered to be the reason for the decline of the Indus Valley Civilization.